

यूपी बनेगा देश की रक्षा का अभेद्य कवच : योगी

नॉर्थ टेक सिंपोजियम त्रिवेणी रक्षा संगम में सीएम ने कहा- कीबोर्ड और डाटा सेना के नए हथियार

साइबर स्पेस और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम अब नए रणक्षेत्र, दुश्मन के संचार और पावर ग्रिड को बाधित करना ही जीत की नई रणनीति

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रयागराज में आयोजित रक्षा त्रिवेणी संगम (नॉर्थ टेक सिंपोजियम-2026) के समापन समारोह में भविष्य के युद्धों और भारत की रक्षा तैयारियों का एक व्यापक खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल जल, थल और नभ की सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है।

उन्होंने कहा कि आज के युग में कीबोर्ड, सैटेलाइट और डाटा नेटवर्क उतने ही प्रभावी हथियार बन चुके हैं, जितने पारंपरिक मिसाइलें और टैंक हैं। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि साइबर स्पेस और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम अब नए रणक्षेत्र हैं, जहां दुश्मन के संचार और पावर ग्रिड को बाधित करना ही जीत



प्रयागराज में बुधवार को नॉर्थ टेक सिंपोजियम में सीएम योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन करते लेफ्टिनेंट जनरल अनिल सेनगुप्ता, लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा। - अमर उजाला

की नई रणनीति है।

भारतीय सेना के उत्तरी व मध्य कमान और भारतीय रक्षा निर्माता

सोसाइटी की ओर से न्यू कैट स्थित कोबरा ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय सिंपोजियम के अंतिम दिन

आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

सीएम ने कहा कि रक्षा विनिर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका अब केवल पुर्जे बनाने तक सीमित नहीं है। कानपुर नोड में जहां बुलेटप्रूफ जैकेट और डिफेंस टेक्स्टाइल का उत्पादन हो रहा है तो आईआईटी कानपुर के सहयोग से विकसित ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भविष्य की मानवरहित युद्ध प्रणाली के लिए रिकलड वर्कफोर्स तैयार कर रहा है। सरकार की डिफेंस एवं एयरोस्पेस पॉलिसी ने निवेशकों के लिए उत्तर प्रदेश को देश का सबसे पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध की आंख और दिमाग अब सैटेलाइट और नेविगेशन सिस्टम हैं। दुश्मन के बैकिंग और कम्युनिकेशन सिस्टम को अभेद्य दीवार से घेरना और अपनी सुरक्षा प्रणालियों को मार्केट-रेडी बनाना ही उत्तर प्रदेश सरकार का मुख्य लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने यूपी की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती ताकत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य का डिफेंस इंडस्ट्रियल

कोरिडोर जल्द ही भारत की सैन्य शक्ति का मुख्य आधार बनेगा।

बताया कि राज्य के छह नोड्स लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर तेजी से काम हो रहा है। अलीगढ़ में छोटे हथियारों का केंद्र बना है, वहीं कानपुर में मिसाइल और गोला-बारूद का निर्माण हो रहा है। लखनऊ और झांसी में ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलों के निर्माण से देश की सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

योगी आदित्यनाथ ने रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ साल पहले तक हमारा रक्षा निर्यात मात्र 600 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर 50 हजार करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है।